



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 72]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 23, 1990/फाल्गुन 4, 1911

No. 72] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 23, 1990/PHALGUNA 4, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1990

सा. का. नि. 94(ग्र)---केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय तिलहन और
वनस्पति तेल विकास बोर्ड, अधिनियम, 1983 (1983 का 29) की धरा
18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रीय तिलहन और वनस्पति
तेल विकास बोर्ड नियम, 1984 का योग्यता करने के लिए निम्नलिखित
नियम बनाती है, अधर्ता :—

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय तिलहन और वनस्पति
तेल विकास बोर्ड (नंशेवन) नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तरीके को प्रदृश्य होंगे।

2 राष्ट्रीय तिलहन और वनस्पति तेल विकास बोर्ड नियम, 1984
में,—

(i) नियम 2 के बंड (ए) के पश्चात् निम्नलिखित अंतः स्थापित
किया जाएगा, अधर्ता :—

(घर) "प्राप्त" से इन नियमों से उपर्युक्त प्रत्येक अभिप्रेत है;

(ii) अधर्ता 4 के पश्चात् निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा,
अधर्ता :—

अधर्ता—5

प्रबंध समिति की शक्तियां

18 प्रबंध समिति को नियम 19 के उपबंधों के अवीन रहने हुए,
निम्नलिखित शक्तियां प्राप्त होंगी :—

(क) ऐसे पद संजिन करना जिनका वेतावत् अधिक से अधिक
4500 रु. प्रति मास हो किन्तु ऐसा समय-समय पर केन्द्रीय
सरकार द्वारा जारी किए गए अवैदेशों का पालन करके ही किया
जा सकेगा, और

(ख) विकास विषयक स्कीमों की मंजूरी और प्रत्येक मामले में एक
करोड़ रुपये तक की सीमा तक द्यय उपर्युक्त करना।

अधर्ता—6

बोर्ड और उसका स्थापन

19 बोर्ड का स्थापन—(1) बोर्ड, इस प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट
बजट उपबंध को सम्मिलित करके धन उपलब्ध होने की दशा में धारा 6
की उपायारा (5) के अवीन यथा उपर्युक्त पदों की मंजूरी दे सकेगा यदि

उसकी राय में उसके (स्थापन के) दक्षतापूर्वक कार्यकरण के लिए ऐसा करना आवश्यक समझा जाए ।

परन्तु बजट के किसी समुचित शोषण के अधीन वचत द्वारा या केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से पुनः विनियोग द्वारा इस प्रोजेक्ट के लिए धन उपलब्ध कराया जा सकेगा ।

परन्तु यह और कि कोई भी ऐसा पद, जिसका वेतन या वेतनमान 4500 रु. प्रतिमास से अधिक हो तब तक सर्जित नहीं किया जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार द्वारा समर्थनसमय पर जारी किए गए आदेशों का अनुपालन न कर लिया गया हो और ऐसे पदों पर केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी ।

परन्तु यह और भी कि उपलब्धियों की संख्या से संबंधित प्रस्ताव, अर्थात् वेतनमान अपनाना, भर्ते और उनका पुर्नरीक्षण और नियम 18 के अधीन विनियोग स्तर से ऊपर के पदों के सर्जन के लिए केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी की आवश्यकता हीगी ।

(2) इन नियमों और विनियोगों के अन्य उपर्योगों के अधीन रहते हुए—

(क) कार्यपालक निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के अनुमोदन के समूह के पदों पर नियुक्ति कर सकेगा, और

(ख) कार्यपालक निदेशक सभूह “ख” “ग” और “ध” पदों पर नियुक्ति कर सकेगा ।

20. पदों की समिक्षा—बोर्ड किसी भी ऐसे पद को समाप्त कर सकेगा जिसे सर्जन करने के लिए वह सक्षम है ।

21. सोधी भर्ती द्वारा पदों का भर जाना—ऐसे अधिकारियों की पंक्ति को सभी रिक्तियों का, जिनका अधिकतम वेतन या वेतनमान 3500 रु. प्रति मास से ऊपर है या अन्य पदों को, जिन्हें तकनीकी पद के रूप में वर्णित किया गया है और जिन्हें सोधी भर्ती द्वारा भरा जाना है, विज्ञापन दिया जाएगा और अन्य पंक्तियों की सभी रिक्तियां संबंध संवारीय रोजगार कार्यालय और अन्य अधिकारियों को केन्द्रीय सरकार के अधीन रिक्तियों की बाबत प्रत्येक नियमों और विनियोगों के अनुसार अधिसूचित किया जाएगा और नियुक्तियां यथास्थिति, ऐसे अवक्तियों में से, जिन्होंने विज्ञापन के अनुसरण में आवेदन दिया है या ऐसे अधिकारियों में से जिनकी रोजगार के योग्यता ने सिफारिश की है, को जाएंगी ।

22. प्रीवनि द्वारा पदों का भर जाना—नियम 19 के उपनियम (2) में नियोजित पदों के प्रवर्गों का बहुत कार्यपालक निदेशक ऐसे पदों पर प्रोत्तरि के लिए नव मता अवधियों के द्वारा पर विचार करेगा ।

23. अवक्तियों को विदेश भेजना—बोर्ड केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना बोर्ड के किसी भी अधिकारी या सदस्य को भारत से बाहर किसी भी स्थान पर हीं भेज सकेगा ।

कठायत—7

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यपालक निदेशक और सचिव की शक्तियां

24. अध्यक्ष की शक्तियां और कर्तव्य—अध्यक्ष बोर्ड की बैठकों की अध्यक्षता करेगा और बोर्ड के कार्य संचालन के लिए ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेगा जो उनमें बोर्ड द्वारा नियंत्रित की जाएं ।

25. उपाध्यक्ष की शक्तियां और कर्तव्य—

(1) उपाध्यक्ष अध्यक्ष को अनुसन्धान में बोर्ड की बैठकों की अध्यक्षता करेगा ।

(2) उपाध्यक्ष अध्यक्ष की ऐसी अवक्तियों का प्रयोग और ऐसे कृत्यों का नियंत्रित करेगा जो उसे अध्यक्ष द्वारा प्रत्यायोजित किए जाएं ।

26. कार्यपालक निदेशक की शक्तियां और कर्तव्य—(1) कार्यपालक निदेशक का यह उत्तरदायित होगा कि वह यह सुनिश्चित करें कि नियम 17 के उपनियम (1) के अधीन कृत्यों और कर्तव्यों का पालन करने के लिए बोर्ड रज्य सरकारों, संघ और अन्य अधिकारियों, संस्थाओं और प्राधिकारियों जैसे भागीदार कार्यालय, अनुसंधान परिषद, कृषि विश्वविद्यालय, नरियल विकास बोर्ड और अन्य संस्थाओं और तिलहन उद्योग और वनस्पति तेल उद्योग से संबंध संगठनों से निकटतम संपर्क द्वारा कार्य करना है और वही प्रयास बार-बार तो नहीं दोहराता । कार्यपालक निदेशक का यह उत्तरदायित ही होगा कि वह यह सुनिश्चित करें कि नियम 17 के उपनियम (1) के अधीन कृत्यों और कर्तव्यों का पालन करने के लिए छोटे किसानों और उत्तदकों के हितों का संरक्षण करने के लिए समिक्षा उपाय किए गए हैं ताकि वे तिलहन और वनस्पति तेल उद्योग के विकास और बढ़ में भागीदार और हितधिक री बन सकें ।

(2) कार्यपालक निदेशक बोर्ड के मध्ये विभागों और अधिकारियों पर प्रशासनिक नियंत्रण रखेगा ।

(3) कार्यपालक निदेशक को दस्तवेज और अप्लिकेशन मंजूरी और लेखा, भांडार-स्थान या कारवार स्थान का निरीक्षण करने या कारवारी की, जैसा कि अधिनियम या इन नियमों के अधीन अपेक्षित है या जो बोर्ड के कृत्यों में से किसी के समूचित नियंत्रण के लिए आवश्यक समझा जाएगा, शक्ति प्राप्त होगी ।

(4) कार्यपालक निदेशक को बोर्ड या उसकी समिति से यह अपेक्षा करने की शक्ति प्राप्त होगी कि रे, यास्टियति, बोर्ड या समिति द्वारा किए गए किसी विनियोग के अनुसरण में को जाने वाली किसी कारवाई को नव नक स्थगित रखें जब तक कि ऐसे विनियोग के नवंत्र में केन्द्रीय मरकार को किया गया कोई निर्देश, लंबित हो ।

(5) जहां किसी मामले का निपटार बोर्ड या उसकी समिति द्वारा किया जाना हो और उस मामले को बाबत विनियोग के लिए नव नक प्रयोग की जाने वाली किसी कारवाई को नव नक स्थगित रखें जब तक कि ऐसे विनियोग के नवंत्र में केन्द्रीय मरकार को किया गया कोई निर्देश, लंबित हो ।

(6) जहां कार्यपालक निदेशक ऐसा विनियोग यथास्थिति अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के अनुमोदन से करता है वहां वह उस विनियोग को यथास्थिति, बोर्ड या समिति द्वारा अनुसन्धान अपेक्षित हो और उपाध्यक्ष के अनुमोदन से नव जब मामले के लिए बोर्ड के अनुमोदन अपेक्षित हो और उपाध्यक्ष के अनुमोदन से नव जब मामले के लिए बोर्ड की किसी समिति का अनुमोदन अपेक्षित हो ।

(7) जहां कार्यपालक निदेशक ऐसा विनियोग यथास्थिति अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के अनुमोदन से करता है वहां वह उस विनियोग को यथास्थिति, बोर्ड या समिति द्वारा अनुसन्धान अपेक्षित हो और उपाध्यक्ष के अनुमोदन से नव जब मामले के लिए बोर्ड की किसी समिति का अनुमोदन अपेक्षित हो ।

(8) जहां कार्यपालक निदेशक ऐसों शक्तियों और कर्तव्यों के अधीन विनियोग की अध्यक्षता करता है वहां वह उस विनियोग को यथास्थिति, बोर्ड या समिति द्वारा अनुसन्धान अपेक्षित हो और उपाध्यक्ष और कार्यपालक निदेशक द्वारा अप्लायोजित की जाएं भागीदार सचिव—

(1) मध्ये महत्वपूर्ण कर्तव्यों और मनों को यथास्थिति बोर्ड के समक्ष रखा जाएगा ।

(2) बोर्ड के विनियोगों को कार्यान्वयन करने के पद्धति के बारे में निर्देश जारी करेगा;

(3) अधिनियम के अधीन प्राप्त सभी पद्धति के लिए बोर्ड की ओर से रसीद देगा;

(4) बोर्ड की प्राप्तियों और व्यवहार के बारे में लेखा और ऐसे प्रनेक रजिस्टर, जो अधिनियम या इन नियमों के अधीन बोर्ड के लिए बिहित कए जाएं, रखेगा या रखा जाएगा ।

(5) बोर्ड के कार्यकरण बजट में एक वार्षिक प्रारूप रिपोर्ट बोर्ड के अनुमोदन के लिए पेश करेगा और बोर्ड द्वारा अनुमोदित प्रारूप में केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त समय-समय पर विनिर्दिष्ट तरीखों तक केन्द्रीय सरकार को संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखे जाने के लिए रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, और

(6) सभी प्रशासनिक ममलों और अन्य ऐसे कृतियों के निर्वहन के संबंध में, जो कर्यपालक निदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं, कर्यपालक निदेशक को रिपोर्ट देगा।

अध्याय 8

बोर्ड का वित बजट और लेखा

28. बजट का प्राक्कलन

(1) बोर्ड प्रत्येक वर्ष आगामी वित्तीय वर्ष के लिए बजट का प्राक्कलन और चालू वर्ष के लिए पुनरीक्षित प्राक्कलन तैयार करेगा और उन्हें केन्द्रीय सरकार की मंजूरी के लिए ऐसी तारीख को या उससे पूर्व प्रस्तुत करेगा जो सरकार द्वारा नियत की जाए। पुनरीक्षित बजट मंजूरी के पश्चात् मूल बजट को अधिकांत करेगा और उसे उस वर्ष के लिए मंजूर किया गया बजट समझा जाएगा।

(2) कोई भी व्यय तब तक उपगत नहीं किया जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार बजट की मंजूरी न दे दी और व्यय को सक्षम प्राधिकरियों को मंजूरी न मिल जाए।

परन्तु नई सेवा मदों के सिवाय बजट में सम्मिलित की गई व्यय संबंधी व्यवस्था का एक छाता तक केन्द्रीय सरकार द्वारा बजट की मंजूरी दिये जाने तक उपगत किया जा सकता है।

(3) बजट ऐसे अनुदेशों के अनुसार तैयार किया जाएगा जो समय-समय पर जरी रहे और ऐसे प्रारूप में होया जो केन्द्रीय सरकार निर्णयट करे। इसमें निम्नलिखित का विवरण सम्मिलित होगा:

- (i) प्राक्कलित आरम्भिक अतिशेष;
- (ii) अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट प्राक्कलित प्राप्तियां, और
- (iii) निम्नलिखित शीर्ष और उपशीर्षों या ऐसे अन्य शीर्षों और उपशीर्षों के अधीन जो केन्द्रीय सरकार नियंत्रित करे वर्गीकृत प्राक्कलित व्यय, अर्थात् - -

शीर्ष

- (क) प्रशासन;
- (ख) तिलहन और बनस्पति तेलों के उत्पादन का विकास जिसके अन्तर्गत तिलहन उत्तर तेलों के बीच परस्पर सहकारी प्रयोगों की आधारवादी और कृषि को ऐसी पद्धतियों को, जिसमें सुधार लाया गया है, सहायता भी है;
- (ग) तिलहन और बनस्पति तेलों तथा उनके उत्पादों के लिए विपणन सुविधाओं में जिसके अन्तर्गत श्रेणीकरण भी है, सुधार
- (घ) उतिलहन और बनस्पति तेलों तथा उनके उत्पादों की बाबत अनुसंधान,
- (ङ) विस्तार किया जाना के अन्तर्गत प्रयार और प्रचार भी है,
- (च) सांख्यिकी,
- (छ) संकर्स, और
- (ज) प्रक्रिया

उपशीर्ष

- (क) बेतन,

- (ख) मंजूरी,
- (ग) याकृति व्यय
- (घ) कार्यालय व्यय,
- (ङ) मशीनरी और उपस्कर,
- (च) सामग्री और पूर्ति
- (छ) किराया, दरें और कर,
- (ज) प्रकाशन और
- (झ) अन्य प्रभार
- (झ) आगामी वित्तीय वर्ष के लिए क्रियाकलापों का कार्यक्रम

(4) व्यय के अनुपूरक प्राक्कलन यदि कोई हो, केन्द्रीय सरकार को मंजूरी के लिए ऐसे प्रारूप में और ऐसी तारीखों को प्रस्तुत किए जाएं जो केन्द्रीय सरकार इस नियंत्रित नियंत्रित करे।

29. बोर्ड के लेखे

(1) बोर्ड प्रत्येक वर्ष से संबंधित सभी प्राप्तियों और व्यय का लेखा रखेगा और इसके साथ-साथ प्राप्ति और संदर्भ लेखा और आव और व्यय लेखा और तुलनपत्र का क्रमशः प्रारूप क, प्रारूप ख और प्रारूप ग में वार्षिक अभिलेख रखेगा। ये लेखे बोर्ड द्वारा अनुमोदित किए जाएं और लेखा परीक्षकों को सुन्तुक्य किए जाएंगे।

(2) उपनियम (1) में व्यय उल्लिखित बोर्ड के वार्षिक लेखाओं को उनकी लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ जैसा कि अधिनियम की धारा 14(4) के अधीन व्यय उपवंशित है, केन्द्रीय सरकार को वर्ष समाप्त होने के पश्चात् यथाशीघ्र प्रत्येक वर्ष प्रस्तुत किया जाएगा और वे किसी भी दशा में ऐसी तारीखों के बाद प्रस्तुत नहीं किए जाएंगे जो केन्द्रीय सरकार ने संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखे जाने के लिए इस नियंत्रित विनिर्दिष्ट की है।

(3) इस नियम को किसी भी बात पर प्रतिकूल प्रभाव डाले जाना, बोर्ड प्रत्येक वित्तीय वर्ष सम धृत होने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार को पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान अपने क्रियाकलापों, नीतियों और कार्यक्रमों का सही और पूरा विवरण देते हुए, एक रिपोर्ट अधिक से अधिक 30 जून तक ऐसे प्रारूप में देगा जो केन्द्रीय सरकार विनियित करे।

30. बोर्ड की निधियों का बैंक में जमा किया जाना और ऐसी निधियों का विनियान

(1) पैटी, नकदी और अधिशेष धन दोनों के अलावा, बोर्ड के चालू व्यय के लिए अपेक्षित धन भारतीय स्टेट बैंक या किसी राष्ट्रीय कृत बैंक के खाते में रखा जाएगा और उसका संचालन अपेक्षाओं के अनुसार किया जाएगा और व्यय इस खाते से धन निकाल कर उसकी मंजूरी के पश्चात् ही उपगत किया जाएगा।

(2) बोर्ड की पैशत निधि या मविष्य निधि में जो निधियां हैं और जिनकी चालू व्यय के लिए आवश्यकता नहीं है उनका विनियान अनुमोदन सीमा गत व्यासी प्रतिभूतियों या दस वर्षीय राजकोष बचत जमापत्रों या राष्ट्रीय बचत पत्रों या राष्ट्रीय जमापत्रों में या भारतीय स्टेट बैंक या उसके किसी समनुवर्ती बैंक में सावधि निक्षेप में या, यदि केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदन कर दिया जाए तो किसी अन्य राष्ट्रीय कृत बैंक में किया जाएगा।

स्पष्टीकरण : इस उपनियम में, "राष्ट्रीय कृत बैंक" से बैंककारी कंपनी [उपक्रमों का अर्जन और अंतरण अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 3 या बैंककारी कंपनी] उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40) की धारा 3 के अधीन गठित कोई तस्वीरी नया बैंक अभिप्रेत है।

(3) बोर्ड द्वारा या उस की ओर से किया जाने वाला संदाय नकद किया जाएगा या बोर्ड के लेखे के नाम दिए गए चैक द्वारा किया जाएगा।

(4) ऐसे चैक और सभी आदैश जो बोर्ड को निधि के जमा करने वा उसका विनियोग करने वा निकालने वा उसका किसी अन्य ढंग से अथवा करने से संबंधित होंगे सचिव द्वारा हस्त करिन होंगे और उन पर कार्यपालक निदेशक के प्रति हस्ताक्षर होंगे या कार्यपालक निदेशक की अनुपस्थित में उसके द्वारा सम्बन्ध से प्राप्तिकृत बोर्ड के किसी अन्य अधिकारी के प्रति हस्ताक्षर होंगे।

अध्याय 9

प्रकाश

31. रिपोर्ट और विवरणयोगी

(6) अध्यक्ष या अध्यक्ष द्वारा प्राप्तिकृत किसी अन्य प्राप्तिकृत को तिलहन और बनस्पति तेल या तिलहन और बनस्पति तेल के किसी उत्पाद की बाबत निम्नलिखित से सांख्यिकी के संबंध में कोई जानकारी मांगने की शक्ति प्राप्त होगी—

(i) तिलहन उपाने वाले,

(ii) तिलहन और बनस्पति तेलों के, जिनके अंतर्गत तिलहन और बनस्पति तेल प्रेषण उद्योग भी हैं, व्याहारी,

(iii) तिलहन और बनस्पति तेल उत्पादों के विनिर्माता, और

(iv) कोई ऐसा व्यक्ति या फर्म या कंपनी या कोई अन्य संस्था जो तिलहन और बनस्पति उत्पादों का कारबाह कर रही हो या उससे संबंधित हो।

(7) बोर्ड अग्रामी वित्तीय वर्ष के लिए अपने किएकलयों का कार्य-अग्राम, जिसके अंतर्गत विकास संबंधी कार्यक्रम भी हैं, अधिक से अधिक 31 दिसम्बर तक बोर्ड को देगा।

(3) कृषि और सहकारिता विभाग के वित्तीय सलाहकार के जो बोर्ड का सदस्य भी हैं, बोर्ड के विचाराधीन और वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 के अधीन कृषि और सहकारिता विभाग की प्रत्यायोजित शक्तियों के परे किसी वित्तीय मामले में असहमत होने की दशा में, मामला विनियोग्य अन्द्रीय सरकार को निर्देशित किया जाएगा।

प्ररूप “क”

[नियम 29(1) देविए]

राष्ट्रीय तिलहन और बनस्पति तेल विकास बोर्ड

—वर्ष के लिए प्राप्ति और संदाय खाता

प्राप्तियां	संदाय
1	2
बैंक में अतिशेष (अनेक बैंकों में सभी चालू/बचत बैंक खातों को संबिस्तार उपर्योग करें)	(क) गैर योजनागत व्यय/(ख) योजनागत व्यय
हाथ नकदी	1. प्रशासन
मुख्यालय	2. अधिकारियों का वेतन
प्रावेशिक कार्यालय	3. स्थापन का वेतन
अग्रदाय अनिशेष (व्यौदा दें)	4. भत्ते/मानदेय
केन्द्रीय सरकार से प्राप्त अनुदान	5. अनिश्चित/कार्यालय व्यय
भवन निर्माण अधिक्रम	6. किराया, दरें और कर
बाहन अधिक्रम	7. अन्य प्रभार
त्योहार अधिक्रम	8. याता व्यय
यात्रा भत्ता अधिक्रम	9. उदार
चिकित्सा अधिक्रम	II. विकास योजना
वेतन अधिक्रम	III. विपणन सुविधाओं में सुधार
पुस्तक संदर्भ उदार	IV. विस्तार किया कलाप
अन्य अधिक्रम (व्यौदा दें)	V. सांख्यिकी
वसूलीय निलंबन संदाय	VI. अनुसंधान
उदार पर व्याज	VII. संकर्म
वसूलीय विविध संदाय	VIII. भविध निधि/पेंशन/छुटी वेतन अभिदाय
—का विकाय	योजना/गैर योजना गत व्यय
फार्म/प्रदर्शन केंद्र से आय (व्यौदा दें)	फार्म/प्रदर्शन केंद्र पर व्यय
प्रकीर्ण प्राप्तियां	करों आदि का संदाय
(उन प्राप्तियों की जिन्हें विनिर्दिष्ट किया जाना है अधिकारी— किराया वसूली, अधिक्रम आदि पर व्याज)	लौटाई गई निलंबन प्राप्तियां (निलंबन संदाय द्वारा) सहकारी विविध वसूली संचयी सावधिक जमा वसूली जीवन वीमा निगम वसूली
विविध प्राप्ति	
निलंबन प्राप्तियां	
सहकारी विविध वसूली	

प्राप्तियां

संदाय

संबंधी सावधिक जमा वसूली
जीवन बीमा निगम वसूली
भविष्य निधि वसूली
आय-कर वसूली

आय-कर वसूली
भविष्य निधि वसूली
प्रकीर्ण व्यय
बैंक में अंत अनियोष (बैंकानुसार, नेवानुसार व्यौग दें)
हाथ नकदी
संधारण
प्रारंभिक कार्यालय
अग्रदाय अतिशेष (व्यौरा दें)
अग्रिम (मदानुसार भवन निर्माण अग्रिम
त्योहार अग्रिम आदि का व्यौरा दें।

योग

योग

साधारण भविष्य निधि

आरंभिक अतिशेष (ऐसे विनिधान/बैंकानुसार संविधियम/सरकारी
योजना/वंधपत का व्यौरा/प्रतिभूति/वंधपत के अनुसार दें।
सदस्यों से अभिदाय
अग्रिम की वसूली
विनिधान पर व्याज
वसूलीय व्याज
लौटाने योग्य निलंबन प्राप्तियां

साधारण भविष्य निधि अग्रिम
भागत: अनिम हप से निकाला जाता
अंतिम परिनिर्धारण
सदस्यों को अनुदत्त व्याज
प्रकीर्ण व्यय
वसूलीय निलंबन (अक्रदाय) संदाय
अंत अतिशेष (वह व्यौरा दें जो आरंभिक अतिशेष के माम्रमें दिया जाता है।

योग

योग

अंत अतिशेष का विश्लेषण
अभिदाय खाता
लौटाने योग्य निलंबन प्राप्तियां
संदाय पर व्याज प्राप्तियों का आधिक्य
घटाएँ:
वसूलीय निलंबन संदाय
प्रतिभूत व्याज को जमा किया गया लेकिन वसूल नहीं किया गया

वित्त अधिकारी

सचिव

कार्यपालक निदेशक

प्रलेख "ख

[नियम 29 (1) देखिए]

31 मार्च, 19 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए राष्ट्रीय तिलहन और वनस्पति तेल विकास
बोर्ड की आय और व्यय

पूर्व वर्ष के आंकड़े	व्यय का शीर्ष	अनुसूची	चालू वर्ष के आंकड़े	पूर्व वर्ष के आंकड़े	आय का शीर्ष	अनुसूची	चालू वर्ष के आंकड़े
1	2	3	4	5	6	7	8
1. प्रशासन					1. भारत सरकार से प्राप्त अनुदान		
(क) मुख्य कार्यालय					2. प्रक्षेपण से प्राप्तियां		
वेतन					3. (क) --- का विक्रय		
मजदूरी					(ब) --- का विक्रय		
यात्रा व्यय					4. प्रकीर्ण प्राप्तियां		
कार्यालय व्यय					5. उधार पर व्याज		
किराया, दरें और कर					आय पर व्याज का आधिक्य		
अन्य प्रभार							

1	2	3	4	5	6	7	8
---	---	---	---	---	---	---	---

(ख) प्रादेशिक कार्यालय

वेतन
मजदूरी
यात्रा व्यय
कार्यालय व्यय
किराया, दरें और कर
अन्य प्रभार

2. विकास योजना

राज्य सरकार को अनुदान
(अनुसूची द्वारा व्यौरा दें)
अन्य को अनुदान
(अनुसूची द्वारा व्यौरा दें)

3. विराम सुविधाओं में सुवार

अनुसंधान

5. विस्तार क्रियाकलाप

(क) प्रचार
(ख) अन्य

6. सांख्यिकी

7. संकर्म

8. प्रकीर्ण

9. मक्षीनरी और उपस्कर

10. सामग्री और पुस्ति

11. बीमा

व्यय पर आय का आधिक्य

योग

योग

वित्त अधिकारी

सचिव

कार्यपालक निदेशक

प्रलेप “ग”

(नियम 29 (1) देखिए)

राज्यीय तिलहन और वनस्पति तेल विकास बोर्ड

तारीख ————— को तुलनपत्र

पूर्व वर्ष के ग्रांकड़े	दायित्व	अनुसूची	चालू वर्ष के ग्रांकड़े	पूर्व वर्ष के ग्रांकड़े	आस्तियां	अनुसूची	चालू वर्ष के ग्रांकड़े
1	2	3	4	5	6	7	8

“केन्द्रीय सरकार से उधार

अंत अतिशेष

— को अतिशेष

स्थायी अधिकारी

जोड़ : वर्ष के दौरान किए गए उधार

मुख्य कार्यालय

घटाएँ : पुनः संदाय

प्रादेशिक कार्यालय

शुद्ध

अन्य अधिकारी

कमंचारिवृन्द भविष्य निधि

मुख्य कार्यालय

घटाएँ : विनिधान जारी रहने तक

प्रादेशिक कार्यालय

साधारण भविष्य निधि

शुद्ध रकम
परादेय दायित्व,
किराया, दरों और कर
साधारण भविष्य निधि व्याज विनिधान
अतिरिक्त उपलब्धियाँ, अनिवार्य भस्ता
अन्य मद्दें (ब्यौरा हैं)
पूर्व संदर्भ प्राप्तियाँ

व्यय पर आय का आधिक्य
अंतिम तुलनात्मक प्रनुसार व्यय पर आय
का अधिक्य
जोड़ें : चाहे वर्ष के दौरान व्यय पर आय का
आधिक्य

हाथ नकदी
मुल्य कार्यालय
प्रादेशिक कार्यालय

बैंक नकदी
मुल्य कार्यालय,
प्रादेशिक कार्यालय
परादेय प्राप्तियों
निजी ट्रंक काल प्रभार
प्राप्त उधार पर व्याज
अन्य प्राप्तियाँ

पूर्व संदर्भ व्यय
टेलीफोन किराया
भवन किराया
अन्य मद्दें (ब्यौरा हैं)
उधार, यदि कोई हो
अग्रिम
वाहन अग्रिम
त्यौहार अग्रिम
बांड अग्रिम
भवन निर्माण अग्रिम
उपदान पर अग्रिम
वेतन अग्रिम
यात्रा भत्ता अग्रिम
अन्य अग्रिम
कर्मचारियों भविष्य निधि विनिधान
अन्य आमिलियाँ
भवन
कर, जीपं
अन्य यान
फर्नीचर और फिल्टर

उपकरण और उत्सुकर

योग
कुल योग

योग
कुल योग

वित अधिकारी

मन्त्रिव

कार्यालयक निदेशक ।

[का. सं. 1--53/85-सीए-7]

ग्र. वी. शिरी, अपर मन्त्रिव

पाद टिप्पण :

मूल अधिसूचना सं. सा. का. नि. 207 (अ) तारीख 8 मार्च, 1984 जो राष्ट्रीय तिलहत और बनहानि तेज विकास ओर्ड अधिनियम, 1933 (1983 का 29) की धारा 18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए आरी की गई थी, भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 8 मार्च, 1984 में प्रकाशित की गई थी।

MINISTRY OF AGRICULTURE
(Department of Agriculture & Cooperation)

NOTIFICATION

New Delhi, 23rd February, 1990

G.S.R. 94(E).—In exercise of the powers conferred by section 18 of the National Oilseeds and Vegetable Oils Development Board Act, 1983 (29 of 1983), the Central Government hereby makes the rules to amend the National Oilseeds and Vegetable Oil Development Board Rules, 1984, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Oilseeds and Vegetable Oils Development Board (Amendment) Rules, 1990.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the National Oilseeds and Vegetable Oils Development Board Rules, 1984,—
(i) in rule 2, after clause (b), the following shall be inserted, namely :—
(bb) "Form" means form annexed to these rules; added, namely :—
(ii) after Chapter IV, the following Chapters shall be added, namely :—

“CHAPTER—V

Powers of the Managing Committee

18. The Managing Committee, subject to provisions of rule 19, shall have the powers to :—

- create posts carrying a scale of pay with maximum upto Rs. 4500 per month subject to the observance of the orders issued by the Central Government from time to time; and
- sanction developmental schemes and incur expenditure on them upto a ceiling of rupees one crore, in each case

CHAPTER—VI

The Board and its Establishment

19. Establishment of the Board.—(1) The Board may, subject to availability of funds by inclusion of specific budget provision for the purpose, sanction posts as provided for under sub-section (5) of section 6, if in its opinion such creation of posts is considered necessary for the efficient performance of its functioning :

Provided that funds may also be made available for the purpose by savings under an appropriate head of the budget or by reappropriation with the approval of the Central Government;

Provided further that no post carrying a pay or a scale of pay the maximum of which is above Rs. 4500 per mensem subject to the observance of the orders issued by the Central Government from time to time shall be created and appointments made thereto without the previous sanction of the Central Government;

Provided also that proposals relating to emoluments structure, namely, adoption of pay scales, allowances and revision thereof and creation of posts above the level specified under rule 18 would need the prior approval of the Central Government.

(2) Subject to the other provisions of these rules and regulations,—

- the Executive Director may make appointments to Group 'A' posts with the approval of the Chairman of the Board; and

(b) the Executive Director may make appointments to Group 'B', 'C' and 'D' posts.

20. Abolition of posts.—The Board may abolish any post which it is competent to create.

21. Filling of posts by direct recruitment.—All vacancies in the rank of officers carrying a pay, or a scale of pay, the maximum of which is above Rs. 3500 per mensem or in any other posts classified as technical posts, to be filled by direct recruitment, shall be advertised and all vacancies in other ranks shall be notified to the local Employment Exchange concerned and other agencies, in accordance with rules and regulations in force in respect of vacancies under the Central Government and appointments shall be made from among the persons making application in pursuance of the advertisement or the candidates recommended by the Employment Exchange, as the case may be.

22. Filling of posts by promotion.—In filling vacancies by promotion in respect of the categories of posts referred to in sub-rule (2) of rule 19, the Executive Director shall consider the claims of all candidates eligible for promotion to such posts.

23. Sending persons abroad.—The Board shall not send any officer of the Board or any member of the Board to places outside India without the previous sanction of the Central Government.

CHAPTER—VII

Powers of Chairman, Vice-Chairman,

Executive Director and Secretary

24. Powers and duties of Chairman.—The Chairman shall preside over the meetings of the Board and shall exercise such powers for the conduct of the business of the Board as may be vested in him by the Board.

25. Powers and duties of Vice-Chairman.—(1) The Vice-Chairman shall preside over the meetings of the Board in the absence of Chairman.

(2) The Vice-Chairman shall exercise such powers and perform such functions of the Chairman as may be delegated to him by the Chairman.

26. Powers and duties of the Executive Director.—(1) It shall be the responsibility of the Executive Director to ensure that for carrying out the functions and duties under sub-rule (1) of rule 17, the Board works in close liaison with the State Governments, Union and other agencies, institutions and authorities, such as the Indian Council of Agricultural Research, the Agricultural Universities, Coconut Development Board and other institutions and organisations concerned with the Oilseeds industry and the Vegetable Oils industry and avoid duplication of efforts. It shall also be the responsibility of the Executive Director to ensure that in carrying out the functions and duties under sub-rule (1) of rule 27, proper measures are taken to protect the interests of small farmers and producers so that they may become participants in and beneficiaries of development and growth of oilseeds industry and the vegetable oils industry.

(2) The Executive Director shall exercise administrative control over all departments and officers of the Board.

(3) The Executive Director shall have power to call for documents and records and to inspect or cause to be inspected, accounts and places of storage or of business as required under the Act or these rules or as may be considered necessary for discharging properly any of the functions of the Board.

(4) The Executive Director shall have power to require the Board or any Committee thereof to defer taking any action in pursuance of any decision taken by the Board or the Committee, as the case may be, pending a reference to the Central Government on such decision.

(5) Where the matter has to be disposed of by the Board or a Committee thereof and decision in respect of that matter cannot wait till a meeting of the Board or the Committee, as the case may be, is held or till completion of circulation of the relevant papers among the members of the Board or the Committee, the Executive Director may take required decision himself with the approval of the Chairman if the matter requires the approval of the Board, and of the Vice-Chairman, if the matter requires the approval of any Committee or the Board.

(6) Where the Executive Director takes such decision with the approval of the Chairman or the Vice-Chairman, as the case may be, shall submit the same for ratification by the Board or the Committee, as the case may be, at its next meeting :

Provided that if the Board or the Committee modifies or annuls the decision taken by the Executive Director, such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of any action taken before such modification or cancellation.

27. Powers and duties of Secretary.—Subject to such powers and duties as may be delegated by the Chairman, Vice-Chairman and Executive Director, the Secretary shall,—

- (1) case all important papers and matters to be presented to the Board as early as practicable;
- (2) issue directions as to the method of carrying out the decisions of the Board;
- (3) grant receipt on behalf of the Board for all moneys received under the Act;
- (4) maintain or cause to be maintained an account of the receipt and expenditure of the Board and also the various registers that may be prescribed for the Board under the Act or these rules;
- (5) present an annual draft report on the working of the Board to the Board for approval and submit the report in the form approved by the Board to the Central Government not later than the dates specified from time to time in this behalf by the Central Government for being laid on the table of both Houses of Parliament; and
- (6) report to the Executive Director in all administrative matters and in discharge or such other functions as the Executive Director may direct.

CHAPTER VIII

Finance Budget and Accounts of the Board

28. Budget Estimates.—(1) The Board shall in each year prepare budget estimates for the ensuing financial year and revised estimates for the current year and shall submit it for sanction to the Central Government on or before such date as may be fixed by that Government. The revised budget when sanctioned shall supersede the original budget and shall be deemed to be the sanctioned budget for the year.

(2) No expenditure shall be incurred until the budget is sanctioned by the Central Government and the expenditure has received the sanction of the competent authorities :

Provided that, pending sanction of the budget by the Central Government, the Board may incur 1/6th of the expenditure provisions included in the Budget (except new service items).

(3) The budget shall be prepared in accordance with such instructions as may be issued from time to time and be in such form as the Central Government may direct. It shall include a statement of—

- (i) the estimated opening balance ;
- (ii) the estimated receipts referred to in sub-section (1) of section 12 of the Act ; and

(iii) the estimated expenditure classified under the following head and sub-heads or such other heads and sub-heads as the Central Government may direct, namely :—

HEADS

- (a) Administration ;
- (b) development of oilseeds and vegetable oils production including promotion of cooperative efforts among oilseeds growers and assistance for improved methods of cultivation ;
- (c) improvement of marketing facilities for oilseeds and vegetable oils and its products including grading ;
- (d) research on oilseeds and vegetable oils and its products ;
- (e) extension activities including propaganda and publicity ;
- (f) statistics ;
- (g) works ; and
- (h) miscellaneous.

SUB-HEADS

- (a) Salaries ;
- (b) wages ;
- (c) travel expenses ;
- (d) office expenses ;
- (e) machinery and equipment ;
- (f) materials and supply ;
- (g) rents, rates and taxes ;
- (h) publications ; and
- (i) other charges.

(iv) Programme of activities for the ensuing financial year.

(4) Supplementary estimates of expenditure, if any, shall be submitted for the sanction of the Central Government in such form and on such dates as may be directed by it in this behalf.

29. Accounts of the Board.—(1) The Board shall maintain accounts of all receipts and expenditure relating to each year and maintain records annually of the receipts and payment account and income and expenditure account and a Balance Sheet in Form 'A', Form 'B' and Form 'C' respectively. These accounts shall be approved by the Board and submitted to Auditors.

(2) The annual accounts of the Board as mentioned in sub-rule (1) together with audit report thereon, as provided under sub-section (4) of section 14 of the Act shall be submitted annually to the Central Government as soon as possible after the close of the year and in any case not later than the dates specified in this behalf by the Central Government for being laid on the table of both Houses of Parliament.

(3) Without prejudice to anything contained in this rule, the Board shall, after the end of each financial year, submit to the Central Government a report in a form to be decided by the Central Government giving a true and full account of its activities, policies and programmes during the previous financial year latest by the 30th June.

30. Deposit of funds of the Board in banks and investment of such funds.—(1) Money required for the current expenditure of the Board with the exception of petty cash and surplus moneys shall be kept in a bank account in the State Bank of India or any of the nationalised banks and operated as per requirements and expenditure shall be incurred only after the sanction thereof by withdrawing money from this account.

(2) Funds in the Board's Pension Fund or Provident Fund not required for current expenditure may be invested in Trustee Securities or Ten Year Treasury Savings Deposit Certificates or National Savings Certificates or National Deposit Certificates to the extent permissible or in fixed deposit with the State Bank of India or any of its subsidiaries or, if approved by the Central Government, with any other nationalised Bank.

Explanation.—In this sub-rule,

'nationalised bank' means a corresponding new bank constituted under section 3 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act 1970 or (5 of 1970) section 3 of the Banking Companies (Aquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980).

(3) Payment by or on behalf of the Board shall be made in cash or cheque drawn against the account of the Board.

(4) Such cheques and all orders for making deposit or investment or withdrawal of the same or for the disposal in any other manner of the funds of the Board shall be signed by the Secretary and Countersigned by the Executive Director or in the absence of the Executive Director, any other officer of the Board duly authorised by him.

CHAPTER IX

Miscellaneous

31. Reports and returns.—(1) The Chairman or any other officer authorised by the Chairman shall have power to call for any information on statistics in respect of oilseeds and vegetable oils or any other product of oilseeds and vegetable oils from—

- (i) growers of oilseeds ;
- (ii) dealers in oilseeds and vegetable oils including oilseeds and vegetable oils milling industry ;
- (iii) manufacturers of oilseeds and vegetable oils products ; and
- (iv) any person or firm or company or any other institution dealing in, or having any connection with, oilseeds and vegetable oils products.

(2) The Board shall furnish latest by 31st December a programme of its activities including developmental programmes for the next financial year.

(3) In the event of the Financial Adviser, Department of Agriculture and Cooperation, who is a member of the Board disagreeing on any financial matter under consideration of the Board and beyond the delegated powers of the Department of Agriculture and Cooperation under the Delegation of Financial Powers Rules, 1978, the matter shall be referred to the Central Government for a Decision.

FORM 'A'

[See rule 29(1)]

NATIONAL OIL SEEDS AND VEGETABLE OILS DEVELOPMENT BOARD

Receipt and Payment Accounts for the year

RECEIPTS	PAYMENT		
		1	2
To Balance with Banks (Indicate all Current/Savings Bank Account in various Banks in detail)			(A) Non-Plan expenditure/(B) Plan Expenditure.
Cash in hand			I. Administration
Headquarters			1. Pay of Officers.
Regional Offices			2. Pay of Establishment
Imprest Balance (Details to be indicated)			3. Allowances/Honorarium
Grants received from Central Government			4. Contingency/Office Expenses
House Building Advance			5. Rent, rates & taxes.
Conveyance Advance			6. Other Charges
Festival Advance			7. Travel Expenses
T.A. Advance			8. Loans.
Medical Advance			II. Development.
Pay Advance			III. Improvement of marketing facilities.
Loans Repaid			IV. Extension Activities.
Other Advances (Details to be specified)			V. Statistics.
Suspense Payments Recoverable			VI. Research
Interest on Loans			VII. Works
Sundry Payments Recoverable			VIII. Provident Fund/Pension/Leave salary contribution
Sale of			Total Plan/Non-Plan Expenditure
Income from Farm/Demonstration Centres (Details to be specified)			Expenses on Farms/Demonstration Centres.
Miscellaneous receipts (Nature of receipts to be specified viz.			Payment of Taxes, etc.
House Rent Recovery, Interest on advances, etc.)			Suspense Receipts Refunded (By Suspense payments)
			Cooperative Sundry Recoveries.
Sundry receipt			Cumulative Time Deposit Recoveries.
To Suspense Receipts			Life Insurance Corporation Recoveries.
Cooperative Sundry Recoveries			Income Tax Recoveries.
Cumulative Time Deposit Recoveries.			Provident Fund Recoveries.
Life Insurance Corporation Recoveries.			Miscellaneous Expenses.

1	2
Provident Fund Recoveries	By Closing Balance with Bank (Bank-wise, Account-wise details to be specified).
Income Tax Recoveries.	Cash in hand Headquarters. Regional Offices. Imprest Balance (details to be indicated) Advances (details to be specified item-wise House Building Advance, festival Advance, etc.).
Total	Total

(iii)
GENERAL PROVIDENT FUND

Receipts	Payments
To Opening Balance (Details of such investment/ Fixed Deposit Bank-wise/Government Schemes/Bonds to be specified security- wise/bond-wise)	General Provident Fund Advance Part Final withdrawal Final Settlement Interest granted to Members
Subscription from members	Establishment charges
Recovery of Advances	Miscellaneous Expenses
Interest on investment	Suspense (Imprest) Payment recoverable
Interest recoverable	Closing Balance (details to be specified as in the case of Opening Balance)
Suspense receipts refundable.	

Total

Total

Analysis of closing Balance
Subscription Account
suspense receipts refundable
Excess of interest receipts over payments
Less :
Suspense Payments recoverable
Interest Accrued and credited but not received.

Finance Officer

Secretary

Executive Director

FORM 'B'

See rule 29(1)

Income and Expenditure Account of the National Oilseeds and vegetable oils development Board for the year ending 31st March
19.....

Previous Year Figures	Heads of Expenditure	Schedule	Figure for current year	Figure for previous year	Head of Income	Schedule	Figure for current year
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)

To By

I. Administration
 (a) Head Office
 Salaries
 Wages
 Travel Expenses
 Office Expenses
 Rent, Rates & Taxes
 Other Charges
 (b) Regional Office
 Salaries
 Wages

1. Grants received from Government of India
2. Receipts from publication.
3. (a) Sale of _____
 (b) Sale of _____
4. Miscellaneous receipts
5. Interest on loans.
 Excess of expenditure over income.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
Pre-paid receipts				Outstanding receipts			
Excess of Income over Expenditure				Private Trunk Call Charges			
Excess of Income over expenditure as per last Balance Sheet				Interest on loans recei- vable			
Add excess of income Over expenditure during the current year				Other receipts			
				Pre-paid expenditure			
				Telephone rent			
				Building rent			
				Other items (Details to be specified)			
				Loans if any			
				Advances			
				Conveyance advance.			
				Festival Advance.			
				Flood Advance.			
				House Building Advance			
				Advance in gratuity			
				Pay Advance.			
				I. A. advance			
				Other advances			
				Staff Provident Fund			
				Investments			
				Other Assets			
				Buildings			
				Cars Jeeps			
				Other Vehicle			
				Furniture & Fittings			
				Implements & equipments			
				Total			
Total				Grand Total			

Finance Officer

Secretary

Executive Director".

Footnote :

Principles notification No. GSR—207 (E) dated 8th March, 1984, issued in exercise of the powers conferred by Section 18 of the National Oilseeds and Vegetable Oils Development Board Act, 1933 (29 of 1933), published in the Gazette of India (Extraordinary), Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 9th March, 1984.

[No. File No. 1-53/85-CA.VI]
S.V. GIRI, Additional Secy.

